।। श्री गणेशाय नमः ।।

हिन्दी पाक्षिक Fort Nightly

Baat Hindustan ki

बात हिन्दुस्तान की

Baat Hindustan Ki

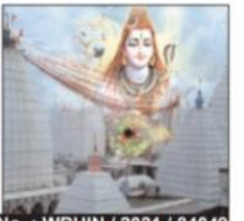

R N I No. : WBHIN / 2021 / 84049

• विक्रम संवत 2082 पौष शुक्ल त्रयोदशी, 1-15 जनवरी 2026 (1-15 January, 2026), • वर्ष 5 (Year-5), • अंक 17 • पृष्ठ 4 (Page-4) • मूल्य रु.2 (Price 2/-)

উন্নয়নের পাঁচালি

বাংলার গৌরবোজ্জ্বল ১৫ বছর

কেন্দ্রীয় সরকারের কাছে **বাংলার বকেয়া ১.৯৬ লক্ষ কোটি টাকারও বেশি**। তবুও, **বিগত ১৫ বছর ধরে জাতি-ধর্ম-বর্ণ নির্বিশেষে**, জন্ম থেকে মৃত্যু পর্যন্ত, প্রতিটি ক্ষেত্রে এবং প্রতিটি অঞ্চলে মা-মাটি-মানুষের সরকার সফলভাবে মানুষের জন্য কাজ করে চলেছে এবং আগামীদিনেও করবে।

লক্ষ্মীর ভাণ্ডার নারীর সহায়

লক্ষ্মীর ভাণ্ডার প্রকল্পে বাংলার **২.২১ কোটি মহিলা** প্রতি মাসে আর্থিক সহায়তা পাচ্ছেন (সাধারণ শ্রেণির মহিলাদের জন্য **১,০০০ টাকা** এবং তপশিলি জাতি/তপশিলি জনজাতির মহিলাদের জন্য **১,২০০ টাকা**)

সরকার সর্বদা কৃষক ও শ্রমিকের পাশে

২০২৫ সাল পর্যন্ত, **কৃষকবন্ধু (নতুন)** প্রকল্পের আওতায় রাজ্যের **১.১০ কোটিরও বেশি** কৃষককে মোট **২৭,০১৬ কোটি টাকা** আর্থিক সহায়তা প্রদান করা হয়েছে। এছাড়াও, বিনা মূল্য সামাজিক সুরক্ষা যোজনা-র মাধ্যমে বাংলা জুড়ে **১.৮৪ কোটি অসংগঠিত শ্রমিকের** সামাজিক নিরাপত্তা সুনিশ্চিত করা হয়েছে।

রেশন পৌঁছে যাচ্ছে ঘরে ঘরে

খাদ্য সাথী প্রকল্পে প্রায় ৯ কোটি মানুষ ভরতুকিযুক্ত রেশন পেয়েছেন, আর **দুয়ারে রেশনের** মাধ্যমে ৭.৫ কোটি উপভোক্তার দোরগোড়ায় রেশন পৌঁছে দেওয়া হয়েছে

শিক্ষায় এগিয়ে বাংলা

গত **১৫ বছরে কন্যাশ্রী, শিক্ষাশ্রী, মেধাশ্রী, ঐক্যশ্রী** এবং **সংখ্যালঘু স্কলারশিপ** — এই সকল প্রকল্পের মাধ্যমে প্রায় **৭.১১ কোটি শিক্ষার্থীকে** তাদের শিক্ষার জন্য আর্থিক সহায়তা প্রদান করা হয়েছে

পরিকাঠামোর উন্নয়নে অগ্রণী বাংলা

গত ১৫ বছরে বাংলার সরকার মানুষের জীবন বদলে দিয়েছে **১০০ শতাংশ বিদ্যুদয়ন নিশ্চিত করে, ৯৯ লক্ষ গ্রামীণ পরিবারের কাছে নলবাহিত পানীয় জলের সংযোগ পৌঁছে দিয়ে এবং ১,৮৩,০৮৪ কিমি রাস্তা** তৈরি করে। **'পথশ্রী-রাস্তাশ্রী ৪'** প্রকল্পের আওতায় **২০,০৩০ কিলোমিটার** নতুন রাস্তা নির্মাণ করা হচ্ছে

চিকিৎসার দায়িত্ব নিয়েছে সরকার

স্বাস্থ্য সাথী প্রকল্পের আওতায় **২.৪৫ কোটি পরিবারের ৮.৭২ কোটি মানুষ** স্বাস্থ্যবিমার সুবিধা পেয়েছেন

আবাসেও ভরসা রাজ্য সরকার

২০১১ সাল থেকে, **মা-মাটি-মানুষের সরকার প্রায় ১ কোটি পরিবারের** জন্য মর্যাদাপূর্ণ বাসস্থানের ব্যবস্থা করেছে

স্বচ্ছল বাংলায় সবল অর্থনীতি

২০১১ সালের পর থেকে **বাংলার অর্থনীতি প্রায় ৪.৪১ গুণ বৃদ্ধি পেয়েছে** এবং গড় মাথাপিছু আয় **তিন গুণ** বেড়ে হয়েছে **১,৬৩,৪৬৭ টাকা**। আমাদের সরকার কঠোর পরিশ্রম করে **১.৭২ কোটি মানুষকে দারিদ্র্য সীমার বাইরে নিয়ে এসেছেন**

কর্মসংস্থানে স্বনির্ভর বাংলা

যখন সারা দেশে গত ৪৫ বছরের মধ্যে বেকারত্বের হার সর্বোচ্চ স্তরে পৌঁছেছে, ঠিক সেই সময়েই বাংলায় **বেকারত্বের হার ৪০% কমেছে** এবং **২ কোটিরও বেশি কর্মসংস্থানের সৃষ্টি করেছে**। কেন্দ্রীয় সরকার MGNREGA-র প্রকল্পের তহবিল বন্ধ করে দেওয়ার পর, **মা-মাটি-মানুষের সরকার কর্মশ্রী** (বর্তমানে পরিবর্তিত নাম **'মহাত্মা-শ্রী'**) **প্রকল্প চালু করে ৭৮.৩১ লক্ষেরও বেশি জব কার্ডধারীর জন্য ১০৪.৫৮ কোটি কর্মদিবস সৃষ্টি করেছে। এতে মোট ব্যয় হয়েছে ২০,৭৭৬ কোটি টাকা**

তপশিলি, অনগ্রসর ও সংখ্যালঘুরা সুরক্ষিত

বাংলায় **১.৬৯ কোটিরও বেশি** তপশিলি জাতি, তপশিলি জনজাতি ও অনগ্রসর শ্রেণিভুক্ত মানুষকে জাতিগত শংসাপত্র প্রদান করা হয়েছে। সেই সঙ্গে, সংখ্যালঘু অধ্যুষিত এলাকায় পরিকাঠামো উন্নয়ন প্রকল্প বাস্তবায়নে **বাংলা দেশজুড়ে এক নম্বরে রয়েছে** এবং রাজ্যে **৬৯,০০০ জন ইমাম ও মুয়াজ্জিনকে** আর্থিক সহায়তা দেওয়া হচ্ছে

মা-মাটি-মানুষের সরকার **'দুয়ারে সরকার'**-এর মাধ্যমে মানুষের দোরগোড়ায় পরিষেবা পৌঁছে দিয়ে, **'বাংলা সহায়তা কেন্দ্র'**-এর মাধ্যমে নাগরিকদের নিরবচ্ছিন্ন সহায়তা প্রদান করে, **'আমাদের পাড়া আমাদের সমাধান'**-এর মাধ্যমে উন্নয়নের সিদ্ধান্ত গ্রহণের প্রক্রিয়ায় বিকেন্দ্রীকরণ ঘটিয়ে এবং **'সরাসরি মুখ্যমন্ত্রী'**-র মাধ্যমে অভাব-অভিযোগের দ্রুত নিষ্পত্তি সুনিশ্চিত করে — প্রশাসনিক ব্যবস্থায় এক যুগান্তকারী পরিবর্তন এনেছে।

রিপোর্ট কার্ড ডাউনলোড করতে দেখুন : http://wb.gov.in/report-card.aspx

Memo No. 1090(13) Local Advt./DICO/HWH Date- 23/12/2025

अंदुल नारायणा स्कूल का चौथा सालाना स्पोर्ट्स कॉम्पिटिशन

हावड़ा : नारायणा स्कूल के अंदुल ब्रांच का चौथा सालाना स्पोर्ट्स कॉम्पिटिशन आज अंदुल के बकुलतला स्थित उत्पाचल स्पोर्टिंग ग्राउंड में शुरू हुआ। बच्चे सुबह से ही खुश और अच्छे मूड में थे। ओपनिंग सेरेमनी में स्कूल के प्रिंसिपल संदीपन चक्रवर्ती ने कहा कि अच्छी पढ़ाई के लिए हेल्दी शरीर बहुत ज़रूरी है। इसीलिए पढ़ाई के साथ-साथ स्पोर्ट्स को भी खास महत्व दिया जाता है। स्पोर्ट्स स्टूडेंट्स की फिजिकल फिटनेस के साथ-साथ उनकी मेंटल स्ट्रेंथ को भी डेवलप करने में सहायक होते हैं। इसलिए किस तरह की आयोजन करने चाहिए। इस साल हुए चौथे स्पोर्ट्स कॉम्पिटिशन में नर्सरी से लेकर 10वीं और 12वीं क्लास तक के बच्चों ने हिस्सा लिया। रनिंग, आर्चरी, योगा समेत कई तरह के एथलेटिक कॉम्पिटिशन ऑर्गनाइज किए गए। बच्चों ने सुबह से ही लगातार अलग-अलग इवेंट्स में हिस्सा लिया। स्कूल अथॉरिटीज़ ने कहा कि छात्रों के ऑलराउंड डेवलपमेंट के मकसद से हर साल ऐसे स्पोर्ट्स कॉम्पिटिशन ऑर्गनाइज किए जाते हैं।

हावड़ा के शरत सदन में 27वें पुस्तक मेले का उद्घाटन मंत्री अरूप राय द्वारा किया गया। इस अवसर पर हावड़ा जिला शासक पी. दीप प्रिया व अन्य विशिष्ट जन उपस्थित थे।

फिट कॉप रन का आयोजन

हावड़ा : वार्षिक खेल सम्मेलन 2025-26 के अंतर्गत, हावड़ा नगर पुलिस ने फिट कॉप रन का आयोजन किया। इस आयोजन का मूल उद्देश्य पुलिसकर्मियों के बीच शारीरिक फिटनेस, अनुशासन और टीम भावना को बढ़ावा देना था। पुरुष और महिला पुलिसकर्मियों ने सक्रिय रूप से भाग लेकर एक स्वस्थ और सुरक्षित समाज के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। इस कार्यक्रम में उपस्थित थे माननीय पुलिस आयुक्त श्री प्रवीण कुमार त्रिपाठी, आईपीएस, और माननीय संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री के. सबरी राजकुमार, आईपीएस, तथा अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

CHANGE OF NAME

I, SK RAJESH, S/o Sk Nazir, residing at Gabberia Moulabi Para, P.S.- Panchla, Dist.- Howrah – 711322, W.B., declare that, my name has been wrongly recorded as ABDUL RAJJAK, S/o Shke Najir, in my Aadhaar Card being no. 8536 9707 2983 and in my Ration Card being no. RKSY-I 370237712, my name has been wrongly recorded as ABDUL RAHAMAN, S/o Shke Najir in place of my actual name SK RAJESH, S/o Sk Nazir. As per affidavit vide Sl. No. 11 in the Court of Ld. Judicial Magistrate, 1st Class at Howrah on 23.09.2025, SK RAJESH, S/o Sk Nazir, ABDUL RAJJAK, S/o Shke Najir and ABDUL RAHAMAN, S/o Shke Najir is same and one identical person.

बीएस मेमोरियल स्कूल में क्रिसमस कार्निवल का आयोजन

हावड़ा : हावड़ा के बाल्टीकुड़ी स्थित बी एस मेमोरियल स्कूल में शीतकालीन क्रिसमस कार्निवल का आयोजन किया गया। यहां के छात्र-छात्राओं ने अपने हाथों से इस कार्निवल में तरह-तरह के क्राफ्ट को तैयार कर चार चांद लगा दिया। जिन लोगों ने देखा वह आश्चर्यचकित रहे। स्कूल के अध्यक्ष संदीप सेनापति ने बताया कि बच्चों ने स्वयं इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया जहां उन्हें परेशानी हुई वहां शिक्षकों ने उनकी सहायता की पूरी तरह से छात्रों के द्वारा निर्मित यहां पर प्रदर्शनी लगाई गई है, जिसका भरपूर आनंद ले रहे हैं सभी और भविष्य में इससे भी अच्छे-अच्छे कार्यक्रम को आयोजन करने की योजना बनाई जा रही है।

सुख, संपत्ति, सादगी, सफलता, स्वास्थ्य, सम्मान शांति एवं समृद्धि मंगलकामनाओं के साथ 'बात हिन्दुस्तान की' तरफ से आप सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं को नये साल 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

अब ऑनलाइन उपलब्ध होगा पोस्टमार्टम रिपोर्ट

हावड़ा : अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट पाने के लिए हेरान होने की जरूरत नहीं है. अब यह सुविधा ऑनलाइन शुरू हो गया है. यह जानकारी पुलिस आयुक्त प्रवीण कुमार त्रिपाठी ने दी. उन्होंने कहा कि एक नया पोस्टमॉर्टम ऑनलाइन पोर्टल लॉन्च किया गया है. इसके जरिये मृत व्यक्तिका पीएम रिपोर्ट मिल जायेगा. wbpmr.kolkatapolice.org को डाउनलोड करने के बाद अपना मोबाइल नंबर देना होगा. फिर कैप्चा सबमिट करने पर मोबाइल फोन पर एक ओटीपी आयेगा. फिर अपने जिले के मृत्युंपर का पता, पीएम नंबर और तारीख डालकर पीएम रिपोर्ट सर्च करना होगा। इस डिजिटल तकनीक के जरिये आसानी से मृत व्यक्ति की पीएम रिपोर्ट मिल जायेगा.

Memo No. 1103(9) Local Advt./DICO/HWH Date- 29/12/2025

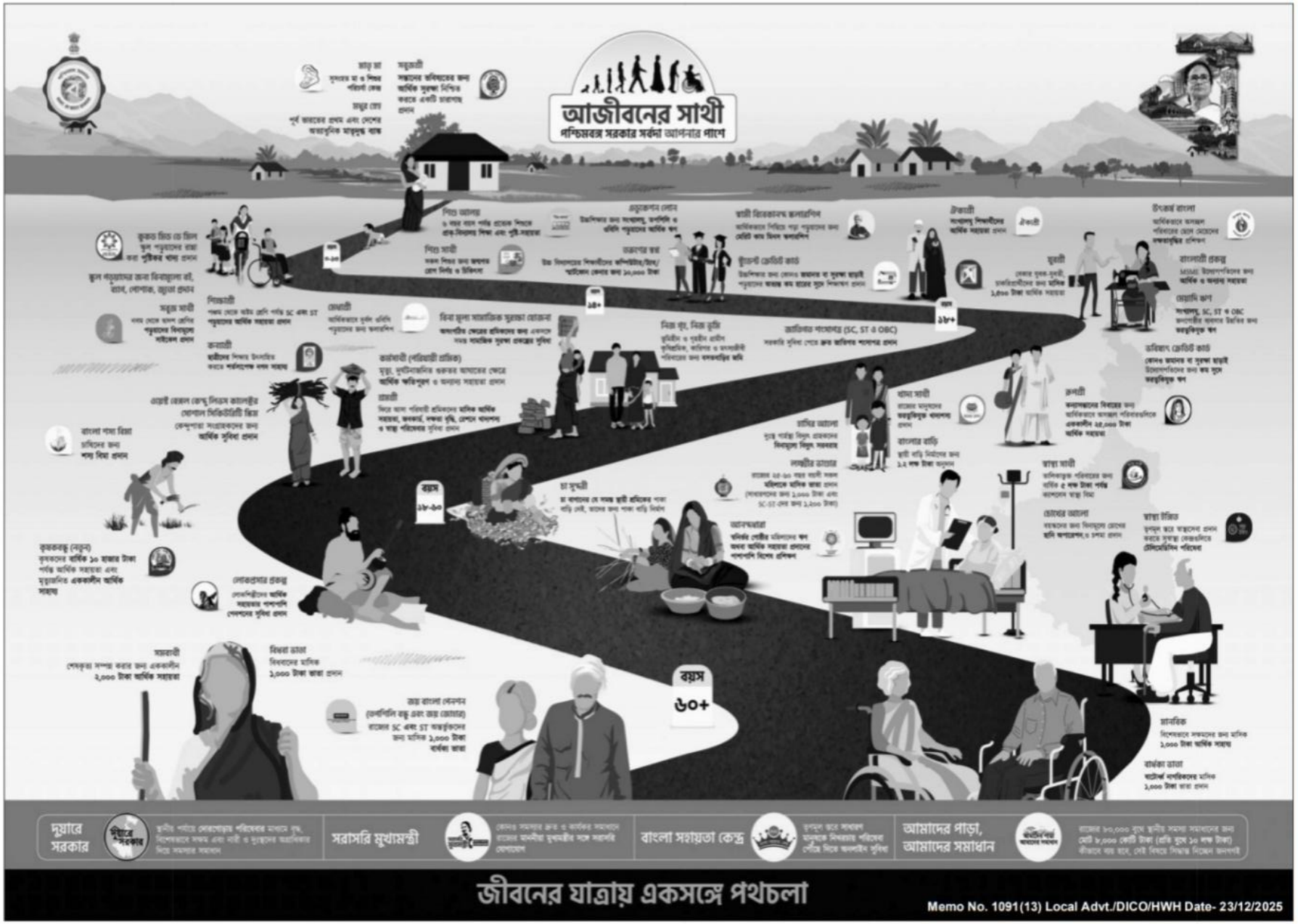

আজীবনের সাথী
পশ্চিমবঙ্গ সরকার সর্বদা আপনার পাশে
বয়স ৬০+
দুয়ারে সরকার
সরাসরি মুখ্যমন্ত্রী
বাংলা সহায়তা কেন্দ্র
আমাদের পাড়া, আমাদের সমাধান
জীবনের যাত্রায় একসঙ্গে পথচলা
Memo No. 1091(13) Local Advt./DICO/HWH Date- 23/12/2025

मणिपाल हॉस्पिटल में उत्तम चिकित्सा व्यवस्था

कोलकाता : पूर्वी भारत में न्यूरोलॉजिकल, हेमाटोलॉजिकल और कार्डियक बीमारियों के मामले बढ़ रहे हैं। इस संदर्भ में, मणिपाल हॉस्पिटल ग्रु प का एक हिस्सा, मणिपाल हॉस्पिटल्स, जो पूर्वी भारत में सबसे बड़े हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स में से एक है, ने आज हावड़ा में अपनी फ्लैगशिप पहल 'अन्वेषण' मीडिया के लिए मेडिकल एजुकेशन' के तहत एक इंटरैक्टिव अवेयरनेस प्रोग्राम आयोजित किया। प्रोग्राम में मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोलॉजिकल डिजीज के डायरेक्टर डॉ. एल. एन. त्रिपाठी और डॉ. राजीव दे, डॉ. अभिषेक राय और कई अन्य लोग शामिल हुए। उन्होंने पूर्वी भारत में न्यूरोलॉजिकल, हेमाटोलॉजिकल और कार्डियक बीमारियों के बढ़ते मामलों पर महत्वपूर्ण विचार शेयर किए। चर्चा में बीमारियों के बदलते पैटर्न, रिस्की लाइफस्टाइल की आदतें, जल्दी डायग्नोसिस का महत्व और मिनिमली इनवेसिव न्यूरोसर्जरी, एडवांस्ड हेमाटोलॉजी और बोन मैरो ट्रांसप्लांट सर्विसेज़ और मॉडर्न इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी ट्रीटमेंट के तरीकों में हालिया तरक्की शामिल थी। इस बात पर भी जोर दिया गया कि समय पर इलाज और स्पेशल सर्विसेज़ मिलने से मरीज़ की सेहत और जीवन की क्वालिटी में काफी सुधार हो सकता है। इस प्रोग्राम में मीडिया प्रिविलेज कार्ड भी लॉन्च किया गया, जिससे पत्रकारों को हॉस्पिटल की सर्विस और जानकारी आसानी से मिल सकेगी, जिससे इस इलाके में हेल्थ से जुड़ी बातचीत और सहयोग और मज़बूत होगा। यूं कहें कि एक ही छत के नीचे सभी तरह के इलाज की व्यवस्था मणिपाल हॉस्पिटल कर रही है जहां लोगों को किसी भी तरह के असाध्य रोगों का इलाज किया जाएगा। एक समय था जब लोग अच्छे इलाज के लिए दक्षिण भारत की ओर जाते थे लेकिन अब वही उसी तर्ज पर इलाज कोलकाता में भी उपलब्ध है लोगों को अब उधर जाने की जरूरत नहीं होगी। सभी तरह के सरकारी हेल्थ स्कीम का भी यहां पर मरीज को लाभ मिलेगा। कोलकाता में कुल पांच मणिपाल हॉस्पिटल अभी कार्यरत है दो सिलीगुड़ी में है और आने वाले समय में इसकी संख्या और बढ़ेगी साथी हावड़ा में भी विचार किया जाएगा ऐसी चिकित्सा व्यवस्था यहां के लोगों को देने की।

किसान राष्ट्र की मांग

हावड़ा : विश्व के पहले किसान देवता मंदिर के किसान पीठाधीश्वर शैलेन्द्र योगिराज सरकार ने आज किसान दिवस के अवसर पर चौधरी चरण सिंह की फोटो पर माल्यार्पण किया। और कहा कि हमें हिन्दू राष्ट्र नहीं बल्कि किसान राष्ट्र चाहिए। क्योंकि पेट अन्न से भरता है और अन्न किसान पैदा करता है इसलिए किसान राष्ट्र घोषित करे सरकार। देश की 70 प्रतिशत आबादी गांवों में बसती है। भारत की आत्मा प्राण प्रतिष्ठा यूं कहें तो भारत की जान किसानों से बसती है। देश की आर्थिक समृद्धि और विकास का रास्ता हमारे गांव से होकर गुजरता है। और भी सच कहूं बड़े बड़े ऋषि मुनि मनीषी विद्वान डाक्टर इंजीनियर जज और आप जैसे बड़े बड़े पत्रकार भी किसान के ही वंशज हैं। हमारा देश कृषि प्रधान देश है इसलिए हमारे देश को किसान राष्ट्र घोषित करे सरकार। किसान पीठाधीश्वर शैलेन्द्र योगिराज सरकार ने कहा कि त्रेतायुग में प्राण रक्तमें रहते थे और द्वापरयुग में प्राण मांस में रहते थे और अब कलयुग में प्राण अन्न में रहते हैं। अन्न से जीवन का अस्तित्व बना रह सकता है अन्न के बिना जीवन की कल्पना भी सम्भव नहीं है। और इस अन्न को किसान पैदा करता है इसीलिए सरकार इस देश को किसान राष्ट्र घोषित करे। किसान पीठाधीश्वर शैलेन्द्र योगिराज सरकार ने कहा कि यह मांग वो बहुत दिनो से उठा रहें हैं अगर सरकार से इस मांग को गंभीरता से नहीं लिया तो अतिशीघ्र देश व्यापी आंदोलन किया जाएगा।

श्री जैन विद्यालय में विंटर कार्निवल 2025 का आयोजन

हावड़ा : हावड़ा स्थित श्री जैन विद्यालय में विंटर कार्निवल 2025 का आयोजन किया गया है, जिसका शुभारंभ आज हुआ।जिस कारण विद्यालय के छात्रों-छात्राओं में खुशी का माहौल छा गया,क्योंकि वे सांस्कृतिक और रचनात्मक उत्साव में डूब गए। इस शुभ अवसर पर विद्यालय के संस्थापक श्री सरदारमल कांकरिया,सचिव ललित कांकरिया, शशि कांकरिया मुख्य अतिथि के रूप से उपस्थित थे,साथ ही विद्यालय के दोनों ही वर्ग की प्रधानाध्यापिका श्रीमती मौसमी घोषाल (प्रधानाध्यापिका बालिका विभाग), श्रीमती इंदु जोसेफ चौधरी (प्रिंसिपल बालक विभाग), संतोष कुमार तिवारी, (शिक्षक प्रतिनिधि), प्रणवेश मिश्र, संजय सिंह, सोमेन चक्रवर्ती आदि मौजूद थे। कार्यक्रम का शुभारंभ सरदारमल कांकरिया जी द्वारा दीप- प्रज्वलन और वरिष्ठ छात्रों द्वारा प्रार्थना के साथ हुआ।श्री जैन विद्यालय दिवस विभाग की प्रिन्सिपल श्रीमती इंदु जोसफ चौधुरी ने स्वागत भाषण दिया।इस सम्पूर्ण आयोजन की संयोजिका श्रीमती शशि कांकरिया(संयोजिका कार्निवाल 2025) ने बताया यह कार्निवाल विद्यालय में प्रत्येक वर्ष बिना किसी शुल्क के विद्यालय के छात्र-छात्राओं के लिए दिसम्बर के महीने में आयोजित किया जाता है और भविष्य में भी यह आयोजित किया जाएगा। मुख्य-अतिथि ने अपने भाषण में विद्यालय के विद्यालय-प्रबंधन समिति सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को धन्यवाद दिया और इस प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान के विकास में उनके योगदान की सराहना की। विद्यालय के सचिव ललित कांकरिया ने कहा कि यह कार्निवल बच्चों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। विद्यालय के बालिका विभाग की प्रिन्सिपल मौसमी घोषाल ने बताया कि यह कार्निवाल 15 दिसम्बर से 20 दिसम्बर तक लगातार चलेगा जिसमें में संगीत, नृत्य, क्रिकेट, डिबेट सहित अन्य कई तरह की रोमांचक गतिविधियाँ और प्रस्तुतियाँ होंगी। उपस्थित अतिथियों एवं छात्रों के लिए विभिन्न प्रकार के खेल और स्वादिष्ट व्यंजन उपलब्ध कराने के लिए कुल 10 स्टॉल लगाए गए थे।विजयी छात्र-छात्राओं को आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा बच्चों और अभिभावकों ने वाल क्लाइंबिंग टावर, टॉय ट्रेन, बैलून बाउंस,आर्मी बाउंस, ट्विन टावर, टैंपो लाइन, टायर्ड क्लाइंबिंग टावर जैसी गतिविधियों में भाग लेने का आनंद लिया।

बांग्लादेश में हिंदुओं के ऊपर हो रहे अत्याचार के विरुद्ध अंजनी पुत्र सेना ने किया प्रदर्शन

हावड़ा : कुछ दिनों पहले बांग्लादेश में एक युवक के साथ मारपीट की गई और उसे आज के हवाले कर दिया गया यह पीड़ा दायक घटना हिंदू सनातनियों को छोड़ देने वाली घटना साबित हुई। इसी के खिलाफ आज तकरीबन शाम को 5:30 बजे हावड़ा मैदान मेट्रो चैनल के नजदीक अंजनी पुत्र सेना की ओर से विरोध रैली निकालकर प्रदर्शन किया गया और बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के मुखिया यूनुस का पुतला दहन किया गया। अंजनी पुत्र सेवा के सचिव सुरेंद्र वर्मा का कहना है कि बांग्लादेश ही नहीं बांग्लादेश के साथ पश्चिम बंगाल में भी हिंदू सनातनियों के उपर जिस तरह अत्याचार किए जा रहे हैं उनके खिलाफ हम सनातनियों को जुट होकर मुकाबला करना होगा आज इसी को लेकर यह विरोध प्रदर्शन किया गया है व बांग्लादेश सरकार के मुखिया यूनुस का पुतला और बंगाल देश के झंडे को दहन किए हैं हम लोग चाहते हैं कि इसकी न्यायिक जांच हो दोषियों को दंडित किया जाए जो पीड़ित हिंदू हैं उन्हें वहां पर सुरक्षा मुहैया कराई जाए।

माननीया मुख्यमंत्री प्रतिबद्ध, वक्फ संपत्ति वक्फ के अधीन ही सुरक्षित रहेगी

राज्य सरकार नई वक्फ संशोधन कानून का विरोध जारी रखे हुए है। राज्य वक्फ बोर्ड ने वक्फ संशोधन कानून 2025 की वैधता को चुनौती देते हुए माननीय सुप्रीम कोर्ट में एक रिट याचिका दायर की है [W.P. (C) No. 331/2025), जो वर्तमान में विचाराधीन है। इसके साथ ही, कानून के शासन को बनाए रखने के उद्देश्य से 3 दिसंबर, 2024 को राज्य विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया गया, जिसमें केंद्रीय सरकार से वक्फ संशोधन बिल को वापस लेने का अनुरोध किया गया है।
इसलिए, कुछ स्वार्थी तत्वों की ओर से राज्य सरकार के खिलाफ लगाए गए आरोप पूरी तरह से निराधार और निरर्थक हैं।

इस बीच, वक्फ संबंधित मामलों में माननीय सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश का पालन करते हुए राज्य सरकार ने नए UMEED पोर्टल पर जानकारी दर्ज करने के लिए सहमति व्यक्त की है।

पश्चिम बंगाल में मौजूदा सभी वक्फ संपत्तियां (यानि लगभग 82,616 वक्फ संपत्तियां) पहले ही केंद्रीय सरकार द्वारा प्रबंधित पुराने वक्फ पोर्टल (WAMSI पोर्टल) पर दर्ज की जा चुकी हैं। इसलिए, नए पोर्टल (UMEED पोर्टल) पर संपत्ति के विवरण दर्ज करने से वक्फ संपत्ति का हस्तांतरण या विभाजन हो सकता है, इस प्रकार के प्रचार में कोई सच्चाई नहीं है।

WAMSI पोर्टल और UMEED पोर्टल के बीच एकमात्र अंतर जानकारी दर्ज करने की प्रक्रिया में है। पुराने पोर्टल पर वक्फ संबंधित जानकारी सीधे राज्य वक्फ बोर्ड के माध्यम से दर्ज की जाती थी, लेकिन नए पोर्टल (UMEED पोर्टल) पर संबंधित प्रबंधक व्यक्तिगत रूप से वक्फ संपत्ति के विवरण दर्ज करेंगे।

राज्य सरकार जिला प्रशासन के माध्यम से जानकारी दर्ज करने के काम में पूरी सहायता प्रदान कर रही है और जिला तथा ब्लॉक स्तर पर अतिरिक्त डेटा एंट्री डेस्क स्थापित किए हैं। इसके परिणामस्वरूप, 5 दिसंबर, 2025 तक 23,087 वक्फ संपत्तियों की जानकारी UMEED पोर्टल पर अपलोड की गई है।

फिर भी, 5 दिसंबर की निर्धारित समयसीमा के भीतर वक्फ संबंधित सभी जानकारी अपलोड करने में समय की कमी के कारण राज्य वक्फ बोर्ड ने माननीय सुप्रीम कोर्ट में एक और आवेदन दायर कर समय विस्तार की अपील की थी (I.A. No. 310474 of 2025)।

माननीय सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार, सभी प्रबंधकों की ओर से राज्य वक्फ ट्रिब्यूनल के पास राज्य वक्फ बोर्ड द्वारा पंजीकृत वक्फ संपत्तियों के विवरण UMEED पोर्टल पर अपलोड करने के लिए समय विस्तार की अपील की गई। माननीय राज्य वक्फ ट्रिब्यूनल ने 24 दिसंबर, 2025 को एक आदेश जारी करते हुए बाकी 59,529 वक्फ संपत्तियों की जानकारी UMEED पोर्टल पर अपलोड करने के लिए और छह महीने का समय प्रदान किया।

इसके अलावा, 1980 के दशक में कुछ वक्फ संपत्तियां, जिनमें मस्जिद, कब्रिस्तान, ईदगाह आदि शामिल हैं, और साथ ही समाज में इस प्रकार की अन्य धार्मिक संस्थाएं, गलत वर्गीकरण या त्रुटिपूर्ण पंजीकरण के कारण जिला कलेक्टर के नाम रिकॉर्ड ऑफ राइट्स (RoR)/खतियान-1 में शामिल हो गई थीं। राज्य सरकार ने इस मुद्दे की समीक्षा की है और इस ऐतिहासिक त्रुटि को सुधारने के लिए आवश्यक संशोधन लाने का निर्णय लिया है, ताकि इन वक्फ/धार्मिक/सामाजिक संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और कानूनी रूप से उनकी वास्तविक मालिकाना सही वक्फ प्रबंधन के तहत बनी रहे।

"इस राज्य में वक्फ संपत्ति को कोई भी छीन नहीं सकता, वक्फ संपत्ति वक्फ के अधीन ही सुरक्षित रहेगी।"

ममता बनार्जी, माननीया मुख्यमंत्री

अल्पसंख्यक मामले और मदरसा शिक्षा विभाग, पश्चिम बंगाल

Memo No. 1106(11) Local Advt./DICO/HWH Date- 30/12/2025

स्वत्वाधिकारी **'बात हिन्दुस्तान की'** (पाक्षिक) पत्रिका के लिए मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती सोनी कुमारी झा, 23 रामकुमार गांगुली लेन, 2रा तल्ला कमरा नं. 203, पोस्ट- बी. गार्डेन, शिवपुर, हावड़ा-711103 (प. बंगाल) फोन न.: 8902221434 से प्रकाशित एवं चपला मुद्रण, 2/3/1, रामजी हजरा लेन, हावड़ा-711101 से मुद्रित, सम्पादक-**वैद्यनाथ झा**, फोन- 9798848926 पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी, ईमेल/वेबसाईट-www.baathindustanki@gmail.com

(Owner, Printer & Publisher of 'Baat Hindustan Ki' : Smt. Soni kumari Jha, 23, Ramkumar Ganguly Lane, 2nd floor, room no-203, PO : B.Garden, Shibpur, Howrah-711103, Mo. 9798848926 & Printed from CHAPLA MUDRAN 2/3/1 Ramji Hazra Lane, Shibpur, Howrah-711101, Editor : **Baidyanath Jha** Mo. 9798848926, Email/Website : www.baathindustanki@gmail.com)